सत्यमेव जयते

आधार
मेरा आधार, मेरी पहचान

भुवनेश कुमार, भा.प्र.से.
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भा.वि.प.प्रा.

संदेश

'हिंदी दिवस' के अवसर पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की संवाहक होती है। हिंदी भारत के जन-मन की अभिव्यक्ति के संप्रेषण की और देश में सबसे ज्यादा बोली एवं समझी जाने वाली भाषा है। संपर्क भाषा के रूप में स्वाधीनता के पूर्व ही अपनी विशेष पहचान बना चुकी हिंदी के महत्व को ध्यान में रखते हुए, संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को, हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। तभी से प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा है।

भारत में विभिन्न स्थानों पर स्थित प्राधिकरण के प्रधान कार्यालय सहित सभी कार्यालयों एवं केंद्रों आदि में अलग-अलग प्रांतों, धर्मों, बोलियों और समुदायों से संबंध रखने वाले लोग कार्यरत हैं। ऐसे में हिंदी इन सबके बीच में संपर्क भाषा के तौर पर मुख्य कड़ी का काम करती है। आज हिंदी भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रही है। विश्व के लगभग 150 से अधिक देशों में किसी न किसी रूप में हिंदी का प्रयोग होता है और 200 से अधिक विश्वविद्यालयों में इसका अध्ययन और अध्यापन भी हो रहा है।

हिंदी की भांति ही आज 'आधार' भी विभिन्न सरकारी तंत्रों और भारत के जनमानस से जुड़ा है। भारत जैसे बड़े एवं बहुभाषा वाले राष्ट्र में 'आधार' को सफलतापूर्वक लागू किए जाने के फलस्वरूप अब अन्य देश भी इस परियोजना का अनुकरण करने को आतुर हैं। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। चहुमुंखी उत्तरदायित्वों के साथ-साथ प्राधिकरण में भारत संघ की राजभाषा नीतियों, आदेशों और दिशानिर्देशों को लागू किया जा रहा है। वेबसाइट सहित प्राधिकरण द्वारा विकसित ऐप एम-आधार, रेज़िडेंट पोर्टल, चैटबोट-आधार मित्र, क्यूआर स्कैनर, वेबमेल, ई-आफिस और सोशल मीडिया पर भी हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है।

हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सभी कार्यालय हिंदी पखवाड़े एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि प्राधिकरण के अधिकारी और कार्मिक न केवल इस दौरान आयोजित गतिविधियों में भागीदारी करके कार्यक्रमों को सफल बनाएंगे बल्कि हिंदी में कामकाज करने के लिए अपने साथियों को भी प्रोत्साहित एवं प्रेरित करते रहेंगे।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को पुन: मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भुवनेश

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2025

(भुवनेश कुमार)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी